PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 051
दि. 20.06.2026, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'15 दिन रुकिए, दूध का दूध-पानी का पानी होगा' : सीएम योगी

जिसने कभी राम को नकारा वे आज मंदिर के नाम पर मचल रहे, जिसने राम भक्तों पर गोली चलवाई, वो अयोध्या को बदनाम कर रहे

(जीएनएस)।

सीएम योगी ने शुक्रवार को अयोध्या में 291 करोड़ रुपये की 245 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान सीएम योगी ने राम मंदिर चंदा चोरी विवाद पर भी बड़ा बयान दिया।

सीएम योगी ने राम मंदिर चंदा चोरी विवाद पर कांग्रेस और सपा को घेरा है (फोटो ठइळ)

अयोध्या: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राम मंदिर चंदा चोरी विवाद पर बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि जिस कांग्रेस ने कभी राम को नकार दिया, वो पार्टी आज मंदिर के नाम पर मचल रही है। जिस समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोली चलवाई, वो सपा आज अयोध्या को बदनाम कर रही है। सरकार ने एसआईटी का गठन किया है, बहुत जल्द दूध का दूध और पानी का पानी जरूर होगा। सीएम योगी ने कहा कि मेरा राम भक्तों से अनुरोध है कि जांच पूरी होने तक कोई बयानबाजी ना करें।

अपने भाषण में सीएम योगी ने कहा कि देश भूला नहीं है कि किस तरह इस अयोध्या में राम भक्तों पर गोली चलवाई गईं। इनका दोगला चरित्र देखिए कि कांग्रेस ने कोर्ट में शपथ पत्र दिया कि राम हैं ही नहीं। आपके सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। श्रीराम का अस्तित्व ही मानने से इंकार कर दिया। कांग्रेस ने पुरजोर कोशिश की, कि भगवान राम का मंदिर ना बन पाए। लेकिन, आज इन लोगों को अयोध्या को बदनाम करने का मौका मिल रहा है। आज कांग्रेस राम मंदिर पर मचल रही है। अयोध्या को बदनाम करने की कोई साजिश कामयाब नहीं होने देंगे।

अगर कोई सबूत है, तो स्क्ळ को सौंपें- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। अगर किसी के पास कोई दस्तावेज है, तो वह उसे एसआईटी को सौंपे, ताकि जांच में मदद मिले। सरकार इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी जरूर करेगी। सीएम योगी ने कहा कि तब तक वह राम भक्तों से अनुरोध करते हैं कि किसी तरह की ऐसी बयानबाजी ना करें, जिससे जांच प्रभावित हो।

'500 साल संघर्ष किया, 15 दिन और इंतजार करें'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'भगवान राम ने हमें मयार्दा का पाठ पढ़ाया है। उसी मयार्दा का पालन करते हुए हम लोगों ने उनके मंदिर के लिए 500 साल तक संघर्ष किया। मेरी अपील है रामभक्तों से कि 15 दिन और इंतजार करें, चिंता ना करें। भगवान राम की इस पवित्र भूमि को बदनाम करने वालों के बहकावे में ना आएं। ये लोग कभी नहीं चाहेंगे कि अयोध्या को उसका सम्मान मिले।'

जिन लोगों ने अब तक अयोध्या में भगवान राम के दर्शन नहीं किए। अपने विधायकों को भी यहां आने से रोका। वो लोग कैसे भगवान राम की पावन अयोध्या के इस भव्य स्वरूप को बर्दाश्त कर पाएंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ कब्रिस्तान की बाउंड्री में उलझी थी सपा- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में 2017 से पहले की सरकारों ने वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा नहीं लगाई। वीरों का सम्मान नहीं किया। उन लोगों को कब्रिस्तान की बाउंड्री बनाने से ही फुर्सत नहीं थी। कब्रिस्तान की बाउंड्री में उलझी सरकारें वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगवाते। उन सरकारों ने वीरों का भी अपमान किया और अयोध्या का भी।

पीएम मोदी का देश को 2400 करोड़ का रोजगार प्रोत्साहन, जम्मू-कश्मीर के नियोक्ताओं के खातों में ट्रांसफर हुए 25.42 करोड़

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना से जम्मू-कश्मीर में हजारों युवाओं को मिला लाभ।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना से जम्मू-कश्मीर में हजारों युवाओं को मिला लाभ।

पीएम मोदी ने ₹2,400 करोड़ के रोजगार प्रोत्साहन वितरित किए

जम्मू-कश्मीर में ₹25 करोड़ से अधिक का वित्तीय हस्तांतरण

हजारों युवा औपचारिक रोजगार प्रणाली से पहली बार जुड़े

(जीएनएस)।

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के तहत देशभर में लगभग 2,400 करोड़ रुपये के रोजगार प्रोत्साहन (इंसेंटिव) वितरित किए। इस ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत 15 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर में भी हजारों युवाओं और नियोक्ताओं को औपचारिक रोजगार प्रणाली से जोड़ते हुए बड़ा वित्तीय हस्तांतरण किया गया।

इस कार्यक्रम को प्रदेश में चार जगहों पर आयोजित और प्रसारित किया गया,जिनमे जम्मू स्थित कन्वेंशन सेंटर में सांसद जुगल किशोर शर्मा और सत शर्मा संग 600 के करीब प्रतिभागियों ने भाग लिया कार्यक्रम में 20 नए नियुक्त कर्मचारियों को रोजगार पत्र वितरित किए गए, जबकि सांबा में छह लाभार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर सिर्फ एक योजना के तहत वित्तीय लाभ वितरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह जम्मू और कश्मीर की बदलाव की यात्रा का उत्सव है। यह उन सपनों, उम्मीदों और मौकों का उत्सव है जो हमारे युवाओं की जिंदगी को नई दिशा दे रहे हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि अगस्त 2019 से पहले जम्मू-कश्मीर में श्रमिकों को पूर्ण सामाजिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन नवंबर 2019 में ईपीएफओ व्यवस्था लागू

होने के बाद लाखों श्रमिक राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा ढांचे से जुड़े। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक विकसित भारत के संकल्प को दशार्ती।

जहां औपचारिक रोजगार सामान्य हो, सामाजिक सुरक्षा हर नागरिक तक पहुंचे और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' एक विकसित भारत बनाने के संकल्प को दशार्ती है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना करती है जहाँ औपचारिक रोजगार सामान्य बात हो, सामाजिक सुरक्षा हर नागरिक तक पहुंचे और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना दो प्रमुख पहलुओं पर काम करती है। पहला स्तंभ कर्मचारियों के लिए है। पहली बार औपचारिक अर्थव्यवस्था में आने वाले युवाओं को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन देना, जिससे उन्हें संगठित क्षेत्र में बने रहने के लिए प्रेरणा मिले। दूसरा स्तंभ नियोक्ताओं, सहयोगी संस्थानों और उद्योगों के लिए है, जो अपने कार्यबल का विस्तार करते हैं और नए रोजगार सृजित करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब उद्योगों का विस्तार होता है, तो रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और समाज प्रगति करता है। अनुमान है कि इन दोनों घटकों के माध्यम से अगले दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। यह पूरे भारत में लाखों परिवारों के जीवन में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। जम्मू-कश्मीर ने भी इस अवसर का प्रभावी रूप से लाभ उठाया है।

आज इस योजना के तहत 3,300 से अधिक प्रतिष्ठान पंजीकृत हैं, जिससे 22,500 से अधिक युवा पहली बार औपचारिक रोजगार प्रणाली से जुड़े हैं और 31,000 से अधिक नौकरी अवसर प्रोत्साहन के लिए पात्र हुए हैं, जिससे 53,000 से अधिक नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उपराज्यपाल ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लिविंग' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप आवश्यक सुधारों को लागू करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की सराहना की।

जम्मू कश्मीर में 25 करोड़ से अधिक का सीधा लाभ

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में योजना के तहत 1522 कर्मचारियों को कुल 74 लाख रुपए का प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इसके अलावा 304 नियोक्ताओं के बैंक खातों मं लगभग 25.42 करोड़ रुपए स्थानांतरित किए गए हैं। हजारों युवाओं को पहली बार औपचपारिक रोजगार प्रणाली से जोड़ा गया है। यह कदम प्रदेश में औपचारिक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) भारत सरकार की एक प्रमुख रोजगार-आधारित प्रोत्साहन (एम्प्लॉयमेंट-लिंक्ड इंसेंटिव) योजना है, जिसका उद्देश्य औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना, संगठित कार्यबल में पहली बार प्रवेश करने वाले युवाओं को सहायता प्रदान करना और नियोक्ताओं को अधिक रोजगार सृजित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

इस योजना के तहत पहली बार नौकरी करने वाले पात्र कर्मचारी को एक महीने के वेतन के बराबर राशि, अधिकतम 15,000 रुपये तक, प्रदान की जाती है। वहीं नियोक्ताओं को नए रोजगार सृजन के लिए दो वर्षों तक प्रोत्साहन दिया जाता है। विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को अतिरिक्त दो वर्षों के लिए अधिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे श्रम-प्रधान उद्योगों में निरंतर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलता है।

हरिद्वार जमीन घोटाला: धामी सरकार का बड़ा एक्शन, पूर्व नगर आयुक्त समेत कई अधिकारी नपे

भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी 'जीरो टॉलरेंस' नीति को और सख्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। हरिद्वार नगर निगम जमीन खरीद घोटाले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों पर शिकंजा कस दिया है। राज्य सरकार ने इस मामले में हरिद्वार के पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें तत्काल सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की है। वहीं, हरिद्वार के पूर्व जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह को भी सरकारी कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही का दोषी पाया गया है।

चार धाम यात्रा में रिकॉर्ड भीड़! 61 दिन में पहुंचे 37 लाख श्रद्धालु, युवाओं में क्यों बढ़ रहा चार धाम का क्रेज

उत्तराखंड की पवित्र चार धाम यात्रा इस साल नए रिकॉर्ड की ओर तेजी से बढ़ती नजर आ रही है। देवभूमि में यात्रा शुरू हुए 61 दिन पूरे हो चुके हैं और श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि सिर्फ दो महीनों के भीतर ही यात्रियों की संख्या ने पिछले कई साल के आंकड़ों को चुनौती देना शुरू कर दिया है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 37 लाख से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर चुके हैं।

देश के अलग-अलग राज्यों के अलावा विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु चार धाम पहुंच रहे हैं।

दिल्ली वालों के लिए बड़ा अलर्ट! सीएम रेखा का एक्शन प्लान तैयार,बिना इस सर्टिफिकेट के नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

(जीएनएस)।

दिल्ली में मानसून का इंतजार अभी जारी है, लेकिन राज्य सरकार ने सर्दियों में होने वाले प्रदूषण को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई वाली सरकार ने एक नया विंटर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क जारी किया है, जिसके तहत नवंबर से लागू होने वाले कई सख्त नियमों का ऐलान किया गया है। इसका मकसद हर साल सर्दियों में राजधानी को प्रदूषण की गंभीर समस्या से बचाना है।

दिल्ली सरकार ने "प्रोएक्टिव विंटर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क" को अधिसूचित किया है। यह व्यवस्था हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगी और ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) के साथ काम करेगी। सरकार का कहना है कि जून में ही इस योजना की घोषणा इसलिए की गई है ताकि नागरिकों, उद्योगों, संस्थानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और निर्माण

एजेंसियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

बिना PUCC नहीं मिलेगा ईंधन

नई व्यवस्था के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (PUCC) वाले वाहनों को ही पेट्रोल पंपों से ईंधन मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा 1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-बीएस-6 कमर्शियल वाहनों की एंट्री पर भी रोक रहेगी। हालांकि सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहन, आपातकालीन सेवाओं और सरकारी कामकाज से जुड़े वाहनों को छूट दी जाएगी।

डबल होगी पार्किंग फीस

सर्दियों के दौरान निजी वाहनों के इस्तेमाल को कम करने के लिए सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। 1 नवंबर से 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क दोगुना रहेगा। सरकार को उम्मीद है कि इससे लोग सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल करेंगे।

'एक एसआईटी रिकॉर्ड तोड़ अयोध्या यात्राओं की पड़ताल...', सीएम योगी के दौरे से पहले बोले अखिलेश यादव

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे से पहले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बयान दिया है. उन्होंने बिना नाम लिए बार-बार अयोध्या जाने पर बड़े सवाल खड़े किए हैं.

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शुक्रवार (19 जून) को अयोध्या दौरे पर आ रहे हैं. जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा हमला किया है. सपा मुखिया ने बिना नाम लिए सीएम योगी के बार-बार अयोध्या जाने पर सवाल खड़े किए और कहा कि एक एसआईटी इसकी जांच के लिए भी बनानी चाहिए.

सीएम योगी के दौरे से पहले बोले अखिलेश यादव

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सीएम योगी के अयोध्या दौरे पर जाने

से पहले निशाना साधा है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर इस दौरे को लेकर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने लिखा- 'एक स्क्ळ किसी की रिकॉर्ड तोड़ 'अयोध्या' यात्राओं की पड़ताल के लिए भी बनानी चाहिए.'

आज रामलला के दर्शन करेंगे सीएम योगी

दरअसल राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ आज 19 जून को अयोध्या दौरे पर जा रहे हैं. इस दौरान सीएम योगी अयोध्या धाम में रामलला के दर्शन और पूजा अर्चना करेंगे. सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम के दौरान राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को उनसे दूरी बनाए रखने को कहा गया है.

अखिलेश यादव बोले- अयोध्या महापापियों के लिए कुरुक्षेत्र साबित होगी...BJP का यहीं अंत होगा

दावा है कि अयोध्या के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने चंपत राय को सीएम योगी के कार्यक्रम के दौरान उनसे दूर रहने के निर्देश दिए हैं.

परस्तू अहमदी कौन हैं? हिजाब के बिना गाने पर मिली 74 कोड़े खाने की सजा, 2 साल तक देश में 'कैद'!

ईरान में महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। 29 वर्षीय ईरानी गायिका परस्तू अहमदी को यूट्यूब पर बिना हिजाब के देशभक्ति गीत गाने के लिए 74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई है। उनके साथ 8 संगीतकारों और प्रोडक्शन टीम के सदस्यों को भी यही सजा दी गई। साथ ही दो साल तक देश छोड़ने और किसी भी कलात्मक गतिविधि में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

ईरान के कोम (Qom) प्रांत की आपराधिक अदालत ने इस फैसले को 'सार्वजनिक शालीनता का उल्लंघन' और 'अश्लील सामग्री' प्रकाशित करने का मामला बताते हुए सुनाया।

तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों की जाएगी सदस्यता? स्पीकर ओम बिरला से मिले अभिषेक बनर्जी ने कर दी बड़ी मांग

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के भीतर जारी बगावत अब नए मोड़ पर पहुंच गई है। पार्टी के 20 सांसदों के कथित तौर पर नई पार्टी नेशनल कांग्रेस प्रोग्रेसिव इंडिया (NCPI) में शामिल होने के बाद टीएमसी नेतृत्व ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

इसी बीच ळटउ के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने 19 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है।

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पार्टी छोड़कर दूसरी राजनीतिक पार्टी में शामिल होने वाले सांसदों ने दल-बदल विरोधी कानून का उल्लंघन किया है। उन्होंने स्पीकर को 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपते हुए इन सभी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की।

'20 बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करें' -अभिषेक बनर्जी

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है। अभिषेक बनर्जी ने स्पीकर को कुल 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी हैं, जिनमें इन सभी 20 बागी सांसदों को तत्काल प्रभाव से अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है।

अभिषेक बनर्जी ने बागी गुट द्वारा किए गए ठउढक में विलय के दावे को पूरी तरह अवैध और असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा-"इन 20 बागी सांसदों ने सीधे तौर पर संविधान की 10वीं अनुसूची (Anti-Defection Law / दलबदल विरोधी कानून) की धज्जियां उड़ाई हैं। बंगाल की जनता इस राजनीतिक धोखे के लिए इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। किसी भी गुट के वैध विलय के लिए मूल पार्टी के विधायी दल में कम से कम दो-तिहाई बहुमत होना अनिवार्य है, जो इनके पास नहीं है। यह विलय पूरी तरह अमान्य है और इनकी संसद सदस्यता रद्द करने के लिए पर्याप्त मजबूत आधार है।"

अभिषेक बनर्जी का खुला चैलेंज

अभिषेक बनर्जी ने बेहद आक्रामक अंदाज में बागियों को चुनौती देते हुए कहा, "अगर इन बागी सांसदों में थोड़ी भी राजनीतिक ईमानदारी बची है, तो वे तुरंत अपने पदों से इस्तीफा दें। वे पहले टीएमसी छोड़ें और फिर किसी दूसरी पार्टी के टिकट पर जनता के बीच दोबारा चुनाव लड़कर जीत हासिल करके दिखाएं। अगर वे पार्टी की नीतियों से नाखुश हैं, तो उन्हें TMC के नाम पर मिले पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।"

बिहार वाला ठेकुआ विदेश ले गए थे पीएम मोदी, स्लोवाकिया के राष्ट्रपति को दिया गिफ्ट

(जीएनएस)।

पटनाः बिहार का खास व्यंजन, महापर्व छठ का प्रसाद अब सिर्फ बिहार यूपी और भारत का व्यंजन नहीं रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो विदेश में भी इसका डंका बजा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने भारत के तोहफों की पोटली से ठेकुआ निकाला। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत की मेलोडी टॉफी भेंट की थी।

बिहार का ठेकुआ बना विदेशियों का गिफ्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्लोवाकिया के दौरे पर कई उपहार साथ ले गए थे। उपहारों में ब्रास डोकरा एंटेलोप सेट, जीआई-टैग प्राप्त हिमरू सिल्क टाई एवं पॉकेट स्क्वायर, राजस्थान की पारंपरिक कोथेवा कला से बने कफलिंक्स, आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथ चरक संहिता और सुश्रुत संहिता थी। लेकिन इसी के साथ तोहफों में एक और चीज भी शामिल की गई। पीएम मोदी के इन तोहफों में बिहार-झारखंड

की सांस्कृतिक पहचान ठेकुआ भी शामिल की गई।

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति और संसद के स्पीकर को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, शिल्प और ज्ञान परंपरा से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए। इसी दौरान उन्होंने स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और वहां की संसद के स्पीकर रिचर्ड राशि को गिफ्ट में ठेकुआ दिया। दोनों भारत और उसमें भी बिहार झारखंड के इस खास व्यंजन का खाकर बेहद खुश नजर आए। आखिर स्वाद बिहारी तो कौन पसंद न करे।

ठेकुआ तो बिहार की शान है, महापर्व छठ की जान है

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्लोवाकिया के राष्ट्रपति और संसद स्पीकर रिचर्ड राशि को दिया गया उपहार ठेकुआ बिहार और झारखंड राज्यों का एक पारंपरिक मीठा नाश्ता है। इसे गेहूं के आटे, गुड़ या चीनी, सौंफ और घी से बनाया जाता है। इसे विशेष रूप से त्योहारों के दौरान, विशेषकर छठ पूजा के दौरान तैयार किया जाता है। अपनी सरल सामग्री, लंबे समय तक खराब न होने और घर जैसे स्वाद के लिए प्रसिद्ध ठेकुआ सांस्कृतिक परंपरा, उत्सवों के उत्साह और क्षेत्रीय पाक कला विरासत को दशार्ता है। इससे पहले पीएम मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारत में बनने वाली मेलोडी टॉफी का पैकेट गिफ्ट किया था।

अयोध्या पुलिस ने लापता किशोरी को किया बरामदःआरोपी युवक गिरफ्तार, न्यायालय के आदेश पर भेजा गया जेल

(जीएनएस)।

अयोध्या पुलिस ने इनायत नगर क्षेत्र से लापता हुई एक किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस किशोरी के बयान के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

जानकारी के अनुसार, थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी लापता हो गई है। पिता ने आरोप लगाया था कि पड़ोसी गांव का एक युवक उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि किशोरी 12 जून को घर से लापता हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसने विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया।

जांच के दौरान पुलिस ने किशोरी और आरोपी युवक दोनों को बरामद कर लिया। दोनों को थाने लाने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। बरामद किशोरी का बयान न्यायालय में दर्ज कराया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि किशोरी ने मेडिकल परीक्षण कराने से इनकार कर दिया है। ऐसे में, न्यायालय में दर्ज उसके बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच निष्पक्ष ढंग से जारी है और कानून के अनुरूप आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अयोध्याः सीएम योगी की सुरक्षा में बड़ी चूक, मुख्यमंत्री हैलीपेड के पास लगी भीषण आग, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

अयोध्या, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के दौरान राम कथा पार्क स्थित हेलीपैड के समीप आग लगने की घटना से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को दोपहर लगभग 2 बजकर 40 मिनट पर अनुसार मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर चौधरी चरण सिंह घाट के निकट बने हेलीपैड पर सुरक्षित उतर चुका था और वह सरयू अतिथि गृह के लिए रवाना हो चुके थे। इसी दौरान हेलीपैड के आसपास स्थित सूखी झाड़ियों में अचानक आग फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हेलीकॉप्टर लैंडिंग से पूर्व किए जाने वाले धुआं संकेत (स्मोक सिग्नल) के बाद तेज हवा के कारण चिंगारियां आसपास की सूखी घास और झाड़ियों तक पहुंच गईं, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। आग हेलीपैड से सटे क्षेत्र में

लगभग 15 मीटर तक फैल गई। इस दौरान चर्चा है कि एक पाइप के सहारे आग बुझाने का प्रयास किया गया इसके बाद अग्निशमन विभाग ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया।

जेट्टी क्रूज लाइन के गार्ड अमित तिवारी ने भी अग्निशमन कर्मियों का सहयोग करते हुए पानी की पाइप और मोटर उपलब्ध कराई, जिससे आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने में मदद मिली। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों और सुरक्षा कर्मियों ने संयुक्त प्रयास से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर थी आग को फैलने से पहले नियंत्रित कर लिया गया। हालांकि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल के समीप आग लगने की घटना को लेकर सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर प्रश्न उठने लगे हैं।

सीएम के दौरे से चार घंटे धूप में भटकते रहे लोग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान शुक्रवार को सुरक्षा व्यवस्था ने काशीराम कॉलोनी और आसपास के इलाके की रफ्तार थाम दी। दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक कई मार्गों पर आवागमन प्रतिबंधित रहने से स्थानीय लोग, श्रद्धालु और ई-रिक्शा चालक तेज धूप में परेशान रहे। लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए रास्ते तलाशते रहे, जबकि कई को लंबा चक्कर लगाकर सफर पूरा करना पड़ा।

मुख्यमंत्री का शाम पांच बजे काशीराम कॉलोनी स्थित रामायण वैक्स म्यूजियम पहुंचने का कार्यक्रम था। इसके मद्देनजर काशीराम कॉलोनी की मुख्य मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। इसका सबसे अधिक असर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं और रोजमर्रा की आवाजाही करने वाले लोगों पर पड़ा।

ई-रिक्शा चालकों को निर्धारित मार्ग बंद होने के कारण वैकल्पिक रास्तों से होकर गुजरना पड़ा। इससे यात्रियों को भी अतिरिक्त समय और किराए का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना रहा कि मार्ग बंदी की सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था पहले से बेहतर तरीके से दी जाती तो परेशानी कम होती।

खत्म होने वाली है गैस सिलेंडर की किल्लत! 62,000 टन गैस लेकर गुजरात पहुंचा 'दिशा'

(जीएनएस)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर आई है। माल्टा फ्लैग वाला LNG कैरियर Disha शुक्रवार सुबह सुरक्षित रूप से गुजरात के दहेज पोर्ट पहुंच गया। जहाज 62,370 मीट्रिक टन लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) लेकर भारत आया है।

खास बात यह है कि इसने दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार किया। जहाज की सुरक्षित एंट्री को भारत की एनर्जी सप्लाई और समुद्री सुरक्षा के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

दहेज पोर्ट पहुंचा LNG जहाज Disha

माल्टा फ्लैग वाला LNG कैरियर Disha शुक्रवार सुबह गुजरात के दहेज पोर्ट पहुंचा। जहाज ने पेट्रोनेट LNG के जेट्टी पर सुरक्षित एंकर किया। यह जहाज 62,370 मीट्रिक टन LNG लेकर भारत आया है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और समुद्री सुरक्षा चिंताओं के बीच इस जहाज का सुरक्षित पहुंचना अहम माना जा रहा है। इससे भारत की गैस सप्लाई को मजबूती मिलेगी। साथ ही यह संकेत भी मिला है कि कठिन हालात के बावजूद जरूरी एनर्जी कार्गो भारत तक पहुंच रहे हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करना रहा बड़ी चुनौती

Disha ने 15 जून को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार किया था। यह वही समुद्री रास्ता है जिससे दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस कारोबार होता है। हाल के दिनों में इस इलाके में तनाव बढ़ने से शिपिंग कंपनियां सतर्क थीं। ऐसे माहौल में जहाज का सुरक्षित तरीके से इस रास्ते को पार करना बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। भारत समेत कई देशों की नजर इस समुद्री मार्ग पर बनी हुई है क्योंकि इसका सीधा असर ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और कीमतों पर पड़ता है।

सरकार ने शुरू किया मल्टी-मिनिस्ट्री कोऑर्डिनेशन

पोर्ट्स, शिपिंग और वाटरवेज मंत्रालय के अधिकारी ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि सरकार पूरी तैयारी के साथ हालात पर नजर रख रही है। इसके लिए पेट्रोलियम मंत्रालय, केमिकल और फर्टिलाइजर मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और दूसरे संबंधित विभागों के साथ लगातार कोऑर्डिनेशन किया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि फारस की खाड़ी में मौजूद भारतीय जहाज और जरूरी एनर्जी कार्गो सुरक्षित तरीके से भारत पहुंच सकें। सभी एजेंसियों के बीच लगातार सूचना साझा की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक Disha के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करने के बाद अब तक कोई दूसरा भारतीय फ्लैग वाला जहाज फारस की खाड़ी से बाहर नहीं निकला है।

इससे क्षेत्र में मौजूद सुरक्षा चुनौतियों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सरकार और शिपिंग कंपनियां हालात सामान्य होने का इंतजार कर रही हैं। जैसे ही समुद्री रास्तों पर स्थिति और बेहतर होगी, बाकी जहाजों की आवाजाही भी शुरू हो सकती है। फिलहाल सभी जहाजों की सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता दी जा रही है।

सीफेरर्स की मदद के लिए कंट्रोल रूम एक्टिव

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग द्वारा बनाया गया कंट्रोल रूम लगातार सीफेरर्स और उनके परिवारों की मदद कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार अब तक 13,187 से ज्यादा कॉल और 29,376 ईमेल प्राप्त हुए हैं। पिछले 72 घंटों में ही 450 कॉल और 1,077 ईमेल आए। सरकार ने अब तक 3,639 भारतीय सीफेरर्स की सुरक्षित वापसी में मदद की है, जिनमें पिछले 72 घंटों में 47 लोग शामिल हैं। इससे समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले भारतीयों को राहत और भरोसा मिला है।

नकली रेल टिकट बनाने वाला संगठित गिरोह सक्रिय, लखनऊ में RPF और क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच ने दो को पकड़ा

(जीएनएस)।

लखनऊ। रेलवे के नकली तत्काल टिकट बनाकर यात्रियों को ठगने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम इंटेलिजेंस ब्रांच शाखा लखनऊ तथा रेलवे सुरक्षा बल गोमतीनगर की संयुक्त टीम ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पर 16336 रुपये के दो नकली तत्काल आरक्षित रेल टिकट के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दो अन्य की तलाश जारी है।

निरीक्षक अपराध आसूचना शाखा, लखनऊ पूर्वोत्तर रेलवे रणजीत यादव ने बताया कि 18 जून को आरपीएफ अपराध आसूचना शाखा लखनऊ पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर खड़ी पुष्पक एक्सप्रेस के कोच एम-5 में छापेमारी कर दो फर्जी आरक्षित रेल टिकट को बरामद किया। सीट संख्या 57 से 60 पर बैठे कलामुद्दीन खान तथा सीट संख्या 69 से 72 पर बैठे गब्बर खान से टिकट मांगे गए तो दोनों ने संदिग्ध टिकट प्रस्तुत किया। जिनकी प्रिंटिंग क्वालिटी घटिया एवं फर्जी पाई गई।

वाणिज्य विभाग के सीनियर

सीसीटीसी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भी टिकटों के फर्जी होने की पुष्टि की। इसके बाद ट्रेन के प्रस्थान करने से पहले दोनों यात्रियों को ट्रेन से उतारकर प्लेटफॉर्म पर लाया गया। पूछताछ में दोनों ने टिकट दलालों से महंगे दामों पर टिकट खरीदने की बात स्वीकार की। दोनों टिकटों पर भारतीय रेलवे का लोगो, ढफ्र से जारी होने का विवरण एवं अन्य डिटेल्स अंकित थे, किंतु प्रिंटिंग संदिग्ध पाई गई। रेलवे टिकट काला बाजारी एवं जालसाजी में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की भी पहचान एवं गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

कलामुद्दीन खान पुत्र बरसाती खान, निवासी शंकरपुर लछमनपुर बहराइच और गब्बर खान पुत्र छोटे खान, निवासी थाना रामगांव, बहराइच को गिरफ्तार कर इनकी तलाशी ली गई, जिसमें कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। गिरफ्तारी की सूचना उनके परिवार के लोगों को दी गई। टिकट के दलाल बहराइच में कैसरगंज के मोहम्मद मजहर उर्फ राजू और मटेरा के विपिन की तलाश की जा रही है। मोहम्मद मजहर उर्फ राजू के खिलाफ आरपीएफ पोस्ट फरुर्खाबाद और आरपीएफ पोस्ट शिकोहाबाद में दो केस दर्ज हैं।

अपराध का तरीका

गिरोह अपने सदस्यों के माध्यम से भारत के दूर-दराज के आरक्षण केंद्रों से तत्काल श्रेणी के वैध टिकट मांग के अनुसार बनवाकर उन्हें दुबारा प्रिंट करते हैं और नकल तैयार कर महंगे दामों पर आम यात्रियों को बेचते हैं।

पहले गिरोह ट्रेनों व हवाई जहाजों के माध्यम से टिकटों की तस्करी करते थे, जिस पर अंकुश लगाए जाने के बाद अब नया तरीका अपनाया गया है। यह लोग व्हाट्सएप तथा अन्य संचार माध्यमों से टिकट मंगवाते हैं और रेलवे के आधिकारिक फॉर्मेट से मिलते जुलते फॉर्मेट में उच्च गुणवत्ता वाली प्रिंटिंग कर फर्जी टिकट तैयार करते हैं। इस नए तरीके से वे अधिक मुनाफा कमा रहे थे और सुरक्षा एजेंसियों की नजर बचने का प्रयास कर रहे थे।

यूपी में 2.99 करोड़ से अधिक डीएल जारी, लखनऊ आरटीओ ने बनाया रिकार्ड

(जीएनएस)।

लखनऊ। परिवहन सेवाएं तेजी से डिजिटल हो रही हैं। आनलाइन व्यवस्था और फेसलेस सेवाओं के विस्तार से लोगों को अब आरटीओ कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ रहे हैं। प्रदेश में अब तक 2.99 करोड़ से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) जारी किए जा चुके हैं, जिसमें लखनऊ आरटीओ 13.66 लाख लाइसेंस के साथ सबसे आगे है।

प्रदेश में कुल 5.30 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहनों का रिकार्ड

अब डिजिटल माध्यम से संचालित किया जा रहा है। वाहन पंजीकरण में भी लखनऊ का ट्रांसपोर्ट नगर आरटीओ शीर्ष स्थान पर है। परिवहन विभाग की 49 सेवाएं वाहन और सारथी पोर्टल के जरिये फेसलेस और कान्टैक्टलेस तरीके से उपलब्ध हैं।

लोग घर बैठे लाइसेंस से जुड़े आवेदन, वाहन संबंधी सेवाएं और अन्य जरूरी कार्य आनलाइन कर सकते हैं। डिजिटल व्यवस्था से सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ी है, समय की बचत हुई है और लोगों को अधिक सुविधा मिल रही है। तकनीक के उपयोग से परिवहन व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक आसान और तेज हुई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला गंभीर घायलःअयोध्या-बस्ती हाईवे पर मां-बेटे को मारी टक्कर, ट्रॉमा सेंटर रेफर

(जीएनएस)।

अयोध्या-बस्ती हाईवे पर एक अज्ञात लग्जरी वाहन ने मोटरसाइकिल सवार मां-बेटे को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अयोध्या के ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

यह घटना छावनी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कवलपुर गांव के पास हुई। टक्कर इतनी

जोरदार थी कि महिला मोटरसाइकिल से गिरकर घायल हो गई।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत पहुंचाया। वहां उसकी पहचान अयोध्या के तारुन थाना क्षेत्र के गयासपुर निवासी विमला देवी पत्नी मुन्नीलाल के रूप में हुई। चिकित्सकों ने विमला देवी की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अयोध्या स्थित ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि महिला अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर हरैया की ओर जा रही थी। आगे चल रहे वाहन ने अचानक रफ्तार धीमी की, जिससे मोटरसाइकिल चालक ने ब्रेक लगाया और पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

लखनऊ में किसान अपहरण मामले में पूर्व चौकी प्रभारी और CRPF दारोगा पर डकैती का मुकदमा, आरोपियों की तलाश जारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। चिनहट में किसान के अपहरण कर रकम हड़पने के मामले में पुलिस ने जांच का दायरा और बढ़ा दिया है। अब इस प्रकरण में कमता चौकी के पूर्व प्रभारी मोहित, सीआरपीएफ के दारोगा जय प्रकाश समेत अन्य आरोपितों को भी डकैती के मुकदमे में शामिल कर लिया गया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए गाजीपुर समेत कई संभावित ठिकानों

पर लगातार दबिश दे रही है। जल्द गिरफ्तारी न होने पर फरार आरोपितों पर इनाम घोषित किया जाएगा।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि शुरूआत में मुकदमे में दो नामजद आरोपितों के खिलाफ लूट की धाराओं में कार्रवाई की गई थी। विवेचना के दौरान सामने आया कि घटना में पांच से अधिक लोग शामिल थे। इसके बाद मुकदमे में डकैती की धारा जोड़ी गई। जांच में मिले साक्ष्यों और आरोपितों की भूमिका के आधार पर पूर्व चौकी प्रभारी मोहित, सीआरपीएफ दारोगा जय प्रकाश समेत अन्य लोगों को भी मुकदमे में शामिल कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, फरार आरोपित लगातार ठिकाने बदल रहे हैं और मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस करने में दिक्कत आ रही है। इसके बावजूद पुलिस उनकी गतिविधियों, परिवारजन और करीबी लोगों पर नजर बनाए हुए है। साथ ही बैंक खातों और अन्य वित्तीय लेन-देन की भी निगरानी की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मोहित वर्ष 2019 बैच का दारोगा है और मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। उसकी और जय प्रकाश की तलाश में कई पुलिस टीमें लगाई गई हैं। दोनों की काल डिटेल भी खंगाली जा रही है और रिश्तेदारों से पूछताछ की जा रही है।

चार लोग जा चुके हैं जेल

पुलिस अब तक इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें गोरखपुर निवासी जावेद हुसैन, उसका साथी आसिफ, संतकबीरनगर निवासी प्रवेश त्रिपाठी और राजस्थान निवासी सिपाही पूरन सिंह शामिल हैं। पूछताछ में मिले तथ्यों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दो दिन पहले पूर्व चौकी प्रभारी मोहित का नाम भी मुकदमे में बढ़ाया था।

मोहिना कुमारी बीजेपी के दिग्गज नेता की बहू, रीवा की राजकुमारी ने क्यों छोड़ी एक्टिंग?

(जीएनएस)।

पूर्व टेलीविजन एक्ट्रेस और खूबसूरत राजकुमारी मोहिना कुमारी अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय रहती हैं, देखने में बेइंतहा खूबसूरत मोहिना इन दिनों लोगों को आध्यात्मिक प्रवचन भी देते नजर आती है। आपको बता दे कि टीवी की ये ग्लैमरस एक्ट्रेस एक बड़े सियासी घराने से ताल्लुक रखती हैं और उन्होंने शादी के बाद शो बिजनेस को अलविदा कह दिया लेकिन वो लोगों से सोशल मीडिया के जरिए जुड़ी हुई हैं।

टीवी के दर्शक आज भी उन्हें 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कीर्ति गोयनका सिंघानिया के रूप में पहचानते हैं। आपको बता दें कि मोहिना कुमारी सिंह रीवा शाही घराने की राजकुमारी हैं, वो रीवा रियासत के आखिरी शासक महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव बहादुर की पोती और महाराजा पुष्पराज सिंह की बेटी हैं।

उन्हें अभिनय और डांस का बेहद शौक है और इसी वजह से उन्होंने 2012 में 'डांस इंडिया डांस' से पहली बार टीवी की दुनिया में कदम रखा, इसके बाद उन्होंने 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर', 'डेढ़ इश्किया' और 'ये जवानी

है दीवानी' जैसे कई प्रोजेक्ट्स में रेमो डिसूजा की असिस्टेंट कोरियोग्राफर के तौर पर काम किया। उन्होंने 'दिल दोस्ती डांस' (2015) में सारा के किरदार से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत की।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से घर-घर लोकप्रिय हुई थीं मोहिना

वह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अलावा 'सिलसिला प्यार का' जैसे शो में नजर आ चुकी हैं। वो ऋषि देव और गौरव वाधवा के साथ वो यूट्यूब चैनल 'रिमोराव व्लॉग्स' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। 14 अक्टूबर 2019 को उन्होंने सुयश रावत से शादी की, जो भाजपा के कद्दावर नेता सतपाल महाराज के बेटे हैं। ये कपल दो बच्चों का माता-पिता है।

शादी के बाद मैं एक्टिंग नहीं करूंगीः मोहिना कुमारी

शादी से पहले ही एक इंटरव्यू में मोहिना कुमारी ने साफ कहा था कि 'वो मैरिज के बाद टीवी की दुनिया में वापसी नहीं करेंगी क्योंकि वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मिक्स नहीं करना चाहती हैं और इसी वजह से उन्होंने अपनी सगाई की बात भी लोगों को देर से बताई थी, जिससे की लोगों के बीच हो हल्ला ना हो।' आपको बता दें कि उन्होंने गोवा में 8 फरवरी 2018 को सुयश संग सगाई की थी, हालांकि दोनों की सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

तेरे कूचे से हम बे-आबरू होकर निकले

करीब 4 महीने तक चले अमेरिका-ईरान के युद्ध के बाद समझौते पर सहमति बनी है। इस चार महीने चले संघर्ष में कौन जीता, कौन हारा? हमें तो लगता है कि इस युद्ध में ईरान की भव्य जीत हुई है। यह हम इसलिए कह रहे हैं कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इजरायल ने मिलकर 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया था उसमें से कोई भी उद्देश्य वह पूरा नहीं कर सका और अंत में तेरे वूचे से हम बे-आबरू होकर निकले। अमेरिका- इजरायल ने अपने पहले ही हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई को शहीद कर दिया। उसी दिन ट्रंप ने कहा- ईरान के महान लोगों, आपकी आजादी का समय आ गया है.. जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे तो आप अपनी सरकार पर कब्जा कर लीजिए यानी हम रेजीम चेंज कर देंगे। ताकि ईरान में वह रेजीम बदल सके? एक उद्देश्य था ईरान के परमाणु कार्यव्रम और मिसाइल कार्यव्रम को समाप्त करना। इसमें ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम पर भी कब्जा करना था या उसे खत्म करना था। न तो ईरान में रेजीम चेंज हो सकी, न परमाणु कार्यव्रम बंद हुआ और न ही मिसाइल कार्यव्रम पर पाबंदी ही लगा सके। अब बात करते हैं होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की। पहली बात तो 28 फरवरी से पहले होर्मुज खुला हुआ था कभी भी बंद नहीं था। उल्टा आपने ईरान को एक ऐसा हथियार दे दिया जिसके बारे में उसने पहले कभी भी नहीं सोचा होगा। अब ईरान और ओमान मिलकर होर्मुज स्ट्रेट को अपनी मिल्कियत मान रहे हैं और हर गुजरते जहाज से सर्विस चार्ज ले रहे हैं। यह थे प्रमुख उद्देश्य जिनको लेकर अमेरिका-इजरायल ने 28 फरवरी से हमले शुरू किए थे। अब ट्रंप खुद देख सकते हैं कि इनकी प्रवृत्ति में इन्हें कितनी सफलता मिली। ईरान की मुकम्मल जीत हुई। अब बात करते हैं अमेरिका को इस अभियान की कितनी भारी कीमत उठानी पड़ी। उनके गल्फ राष्ट्रों में 14 बेस तबाह हो गए। 40 से ज्यादा लड़ावू विमान नष्ट या डेमैज हो गए, राडार और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गए। अमेरिका ने ईरान जंग में अब तक 113 बिलियन डॉलर यानी 10 लाख करोड़ रुपए स्वाह कर दिए। ऐसा नहीं कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी नहीं पड़ी। ईरान सरकार के मुताबिक हमलों के पहले 40 दिनों में उन्हें 270 बिलियन डॉलर यानी करीब 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 1 लाख 22 हजार इमारतें तबाह हुई हैं। 3 अप्रैल 2026 तक ईरान के 307 अस्पताल बर्बाद हुए। दवाओं की कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ गईं, जिससे 60 लाख से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए। मिनाब के बच्चों के स्वूल पर सीधा हमला हुआ जिसमें 160 से ज्यादा लोग मारे गए जिनमें 130 से ज्यादा छोटी बच्चियां शहीद हुईं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत दर्जनों टाप के लीडरशिप शहीद हो गईं। इस लड़ाईं में गल्फ के अन्य देश भी इसकी चपेट में आ गए। यूएईं, कतर, सउदी, बहरीन, इराक इत्यादि बीच में पंस गए। इस जंग में निर्दोष लोगों को भी भारी कीमत चुकानी पड़ी। अनुमान है कि जंग में 7000 से ज्यादा निर्दोष सैनिक मारे गए और 40 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। ईरान ने साबित कर दिया कि वे अमेरिका-इजरायल के सामने झुकने वाला नहीं है। ट्रंप बड़े गर्व से कह रहे हैं कि अब ईरान परमाणु बम कभी नहीं बन सकेगा। उन्हें हम याद करवाना चाहते हैं कि ईरान ने कभी परमाणु बम बना ही नहीं था। शहीद अयातुल्लाह अली खामेनेई ने बकायदा एक फतवा जारी किया था कि इस्लाम में ऐसा हथियार बनाना मना है जिसमें निर्दोष लोग मारे जाएं। ट्रंप अब अपनी जीत दिखाने के चलते ही वुछ भी कहें पर सारी दुनिया जानती है कि आप की हार हुई है। आपने अमेरिका की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को धक्का पहुंचाया है और आप बड़े बे-आबरू होकर ईरान के कूचे से निकले हैं।

कोलकाता नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बिजली गिरने से इंडिगो फ्लाइट क्षतिग्रस्त, 140 यात्री मौत के मुंह से कैसे लौटे?

(जीएनएस)।

कोलकाता नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार (19 जून) सुबह एक भयानक घटना घटी। अगरतला जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ए 6068 पर बिजली गिर गई। विमान में 140 से अधिक यात्री सवार थे। विमान एयरोब्रिज 56छ पर खड़ा था और बोर्डिंग पूरी हो चुकी थी। आंधी-तूफान और भारी बारिश के बीच हुई इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया।

गनीमत रही कि किसी यात्री को कोई चोट नहीं आई। हालांकि, इंडिगो के दो ग्राउंड स्टाफ सदस्य बिजली गिरने से प्रभावित हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। यात्रियों को बाद में दूसरे विमान से अगरतला रवाना किया गया। यह घटना 12 जून 2025 को हुए अहमदाबाद विमान दुर्घटना (260 मौतें) की याद ताजा कर रही है, लेकिन कोलकाता में समय रहते बचाव हो गया।

घटना कैसे हुई?

भारतीय विमानन प्राधिकरण (अअक) और सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार सुबह कोलकाता में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश हो रही थी। हवाई अड्डा संचालन नियंत्रण केंद्र (AOCC) ने पहले ही मौसम चेतावनी जारी कर दी थी।

फ्लाइट 6E 6068 बोर्डिंग पूरी कर चुकी थी। तभी विमान पर बिजली गिरी। विमान की बिजली व्यवस्था ठप हो गई और इलेक्ट्रिकल सिस्टम क्षतिग्रस्त हो गया। विमान को उड़ान भरने से तुरंत रोक दिया गया।

इंडिगो ने इस घटना पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन एयरलाइन ने (पूर्व ट्विटर) पर यात्रियों को आश्वासन दिया कि मौसम पर नजर रखी जा रही है और सुरक्षित पहुंचाने के लिए पूरी कोशिश की जा रही है।

शुक्रवार सुबह (घटना का दिन): कोलकाता और आसपास के इलाकों में सुबह से ही तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश शुरू। कई इलाकों में जलभराव, यातायात बाधित। अअक और मौसम विभाग ने हवाई अड्डे पर मौसम चेतावनी जारी की। इंडिगो ने यात्रियों को TrÔvel Ôdviso१८ जारी की- 'कोलकाता में खराब मौसम के कारण उड़ानों का शेड्यूल प्रभावित हो

रहा है। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं।'

घटना के तुरंत बाद सभी 140+ यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया। किसी को चोट नहीं आई। विमान को उड़ान के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया। यात्रियों को दूसरे विमान में शिफ्ट कर अगरतला भेजा गया।

इंडिगो और AAI ने क्या कहा?

इंडिगो ने यात्री सहायता के लिए टीम तैनात की। एयरलाइन ने वेबसाइट और ऐप पर फ्लाइट स्टेटस चेक करने की सलाह दी। अअक ने हवाई अड्डे पर सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा शुरू की।

विमान पर बिजली गिरनाः कितना खतरनाक?

आधुनिक विमान , जो इंडिगो के बेड़े में मुख्य है) बिजली गिरने से बचाव के लिए Faraday Cage डिजाइन किए जाते हैं। बिजली बाहरी धातु संरचना से गुजरती है और अंदर के यात्री/सिस्टम प्रभावित नहीं होते। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, रडार, नेविगेशन और इंजन कंट्रोल क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। ग्राउंड स्टाफ और एयरोब्रिज पर मौजूद लोग ज्यादा जोखिम में होते हैं। कोलकाता जैसी घटना में विमान खड़ा होने के कारण यात्री बच गए।

विश्व में हर साल औसतन 1-2 विमानों पर बिजली गिरने की खबर सामने आती है, लेकिन मौतें बहुत कम होती हैं। फिर भी, खराब मौसम में उड़ान प्रबंधन बेहद महत्वपूर्ण है।

Ahmedabad Plane Crqsh: अहमदाबाद दुर्घटना की याद ताजा

इस घटना ने 12 जून 2025 की अहमदाबाद विमान दुर्घटना की याद ताजा कर दी, जिसमें 260 लोगों की जान चली गई थी। कोलकाता में गनीमत रही कि सिर्फ तकनीकी क्षति हुई और जान-माल का नुकसान टल गया।

मौसम और हवाई सुरक्षा पर उठे सवाल ?

कोलकाता में मानसून पूर्व की आंधी-तूफान आम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में तीव्रता बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि हवाई अड्डों को मौसम चेतावनी पर ज्यादा सख्ती से अमल करना चाहिए। बोर्डिंग के दौरान खराब मौसम में विमान को शेल्टर में ले जाना चाहिए। ग्राउंड स्टाफ की सुरक्षा के लिए बेहतर प्रोटोकॉल जरूरी। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, जो रोजाना सैकड़ों उड़ानें संचालित करती है। इस घटना के बाद एयरलाइन की सुरक्षा प्रक्रियाओं की जांच हो सकती है।

यात्री बोले- घबराहट हो रही थी

यात्रियों ने बताया कि अचानक तेज आवाज हुई और लाइटें चली गईं। कुछ देर तक घबराहट रही, लेकिन क्रू मेंबर्स ने शांति बनाए रखी। सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बाद में दूसरी फ्लाइट से उन्हें गंतव्य पहुंचाया गया।

कोलकाता हवाई अड्डे की यह घटना विमानन सुरक्षा के लिए चेतावनी है। भले ही यात्री बच गए, लेकिन दो ग्राउंड स्टाफ सदस्यों का प्रभावित होना गंभीर मुद्दा है। भारतीय विमानन प्राधिकरण और एयरलाइंस को इस घटना से सीख लेते हुए प्रोटोकॉल मजबूत करने चाहिए। यात्रियों की सुरक्षा सबसे ऊपर है। कोलकाता घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रकृति के सामने इंसान कितना छोटा है, लेकिन सही तैयारी और त्वरित कार्रवाई से बड़ी त्रासदी को रोका जा सकता है।

योग बढ़ा सकता है उम्र? बेंगलुरु के क्रिस्टु जयंती यूनिवर्सिटी में मिला फिट रहने के राज

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पहले बेंगलुरु स्थित क्रिस्टु जयंती (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बेंगलुरु के क्रिस्टू जयंती विश्वविद्यालय में आने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। यूनिवर्सिटी ने श्री श्री स्कूल ऑफ योगा और 'द आर्ट ऑफ लिविंग' के साथ मिलकर एक योग और सेहत कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस साल के कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' रखी गई है। यूनिवर्सिटी कैंपस में सेंटर फॉर योग एंड वेलनेस और जयंतियन एक्सटेंशन सर्विसेज ने मिलकर यह कार्यक्रम आयोजित किया।

इसमें छात्रों, शिक्षकों और योग एक्सपर्ट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मकसद था कि बढ़ती उम्र के साथ शरीर और मन को कैसे तंदुरुस्त, एक्टिव और संतुलित रखा जाए।

बढ़ती उम्र में योग के फायदे

और वैज्ञानिक पहलू

इस कार्यक्रम में श्री श्री स्कूल ऑफ योगा की सीईओ और डायरेक्टर वसंती एस. अय्यर और कॉर्पोरेट व सरकारी योग कार्यक्रम विभाग के हेड रुद्रेश कुमार सिंह मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे। एक्सपर्ट्स ने बताया कि योग सिर्फ एक शारीरिक कसरत नहीं है, बल्कि यह पूरी सेहत को ठीक रखने का एक विज्ञान है। आज की नई रिसर्च भी इस बात को मानती हैं।

एक्सपर्ट्स ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कमजोरी और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में बीमारियों से बचने और खुद को फिट रखने के लिए योग बहुत मददगार साबित होता है। यह शरीर का लचीलापन और बैलेंस सुधारता है, साथ ही मन को मजबूत और सकारात्मक बनाता है।

एक साथ योग का अभ्यास और युवाओं की भागीदारी

इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण एक साथ योग का अभ्यास करना रहा। इसमें सभी लोगों ने योग गुरुओं की देखरेख में आसान योग आसनों, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। इस दौरान जोर दिया गया कि योग केवल बुजुर्गों के लिए ही नहीं, बल्कि आज के युवाओं के लिए भी बेहद जरूरी है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, युवाओं को शुरूआत से ही योग को अपनी रोज की आदत बना लेना चाहिए। इससे वे आगे चलकर खराब लाइफस्टाइल की वजह से होने वाली बीमारियों से बच सकते हैं। योगाभ्यास के दौरान सांस लेने के सही तरीकों (प्राणायाम) और ध्यान लगाने पर खास ध्यान दिया गया, जो आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मन की शांति पाने का बेहतरीन जरिया हैं।

'वन अर्थ, वन हेल्थ' से मिला दुनिया को संदेश

यह आयोजन 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले की गई एक बड़ी पहल है। इस साल का ग्लोबल मैसेज 'योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' (एक धरती, एक स्वास्थ्य के लिए योग) है। यह थीम 'वसुधैव कुटुंबकम' (पूरी दुनिया एक परिवार है) की भारतीय भावना को दशार्ती है, जिसमें सभी लोगों की भलाई की बात कही गई है।

क्रिस्टू जयंती यूनिवर्सिटी और श्री श्री स्कूल ऑफ योगा की इस कोशिश ने पुरानी भारतीय परंपराओं को आज की लाइफस्टाइल से जोड़ने का एक नया उदाहरण पेश किया है। आज जब पूरी दुनिया में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है, तब बीमारियों से बचने के लिए योग की मांग और लोकप्रियता दुनियाभर में काफी बढ़ गई है।

योग केवल एक दिन करने की चीज नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। बेंगलुरु के इस कार्यक्रम ने साफ कर दिया कि रोज योग करने से एक सेहतमंद समाज बनाया जा सकता है। यह पहल लोगों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक करने और बुढ़ापे की मुश्किलों को आसान और स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरित करती है।

कौन हैं इवाना नॉल? फीफा से वायरल हुई क्रोएशियाई मॉडल की तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

(जीएनएस)।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में जहां मैदान पर इंग्लैंड और क्रोएशिया के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। वहीं स्टेडियम के स्टैंड्स में एक बार फिर क्रोएशिया की मशहूर 'सुपरफैन' इवाना नॉल ने सारी लाइमलाइट अपनी ओर खींच ली। अपनी बोल्ड और ग्लैमरस मौजूदगी के लिए पहचानी जाने वाली इवाना की तस्वीरें और वीडियो मैच शुरू होने से पहले ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे।

इवाना नॉल को ऐसे मिली थी पहचान

33 वर्षीय इवाना नॉल को पहली बार वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान साल 2022 के कतर फीफा वर्ल्ड कप के दौरान मिली थी। उस टूनार्मेंट में अपने अनूठे ड्रेसिंग सेंस और स्टाइल के कारण वे रातोंरात इंटरनेट सनसनी बन गई थीं। सोशल मीडिया स्टार होने के साथ-साथ इवाना पेशेवर रूप से मॉडलिंग करती हैं और एक प्रसिद्ध

डीजे के तौर पर भी काम कर रही हैं। वर्तमान में इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं।

बन गई हैं वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी फैन

इंटरनेशनल मीडिया और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच इस समय वे 'वर्ल्ड कप की सबसे बड़ी फैन' बनी हुई हैं। खिलाड़ियों के साथ-साथ अब स्टैंड्स में मौजूद मशहूर हस्तियां और डिजिटल इन्फ्लुएंसर्स भी खबर का एक बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। इवाना नॉल इसी डिजिटल युग की एक ऐसी सोशल मीडिया स्टार हैं, जिनकी उपस्थिति फुटबॉल मैचों के दौरान इंटरनेट पर भारी ट्रैफिक और चर्चा का कारण बनती है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

इस मुकाबले से ठीक पहले इवाना ने क्रोएशियाई टीम की थीम पर आधारित परिधान में एक डीजे परफॉर्मेंस भी दी, जिसे उनके फैंस ने खूब पसंद किया। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान इवाना क्रोएशिया की पारंपरिक लाल और सफेद चेकर्ड थीम वाले डीप-नेक टॉप में नजर आईं। स्टैंड्स में फैंस का अभिवादन करते हुए और हाथों से 'हार्ट शेप' (दिल का आकार) बनाकर खिंचवाई गई उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। फैंस कमेंट्स में उन्हें 'वर्ल्ड की सबसे हॉट फुटबॉल फैन' बता रहे हैं, तो कुछ यूजर्स ने मजाकिया लहजे में लिखा कि उनकी उपस्थिति से मैदान पर खिलाड़ियों का ध्यान भी भटक सकता है।

श्रीसंत ने दी पीटने की धमकी तो हरभजन सिंह का मुंह तोड़ जवाब, ऐसा क्या कहा जिसकी पूरे भारत में हो रही चर्चा?

(जीएनएस)।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह के बीच 18 साल पुराना 'स्लैपगेट' विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। हाल ही में लल्लनटॉप को दिए एक इंटरव्यू में श्रीसंत ने 2008 में हुए विवाद का जिक्र करते हुए हरभजन सिंह पर निशाना साधा था। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर हरभजन में हिम्मत है तो वह उनके साथ बॉक्सिंग रिंग में उतरकर आमने-सामने मुकाबला करें।

श्रीसंत की नाराजगी की वजह हाल ही में आया एक विज्ञापन बताया जा रहा है। दरअसल हरभजन सिंह ने एक विज्ञापन में स्लैपगेट विवाद का संदर्भ इस्तेमाल किया था। श्रीसंत को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। उनका कहना है कि इतने साल बाद भी उस घटना को मजाक या प्रचार के लिए इस्तेमाल कर पैसा कमाना सही

नहीं है। इसी मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने हरभजन को खुली चुनौती दे डाली।

अब श्रीसंत के इन बयानों पर हरभजन सिंह ने भी प्रतिक्रिया दी है। हरभजन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, "किसी ने खूब कहा है कि करने दो लोग बकवास करते हैं, हमेशा खाली बर्तन ही आवाज करते हैं।"

हालांकि हरभजन ने वीडियो में श्रीसंत का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे सीधे तौर पर पूर्व तेज गेंदबाज के हालिया बयानों का जवाब माना जा रहा है। हरभजन का यह वीडियो सामने आते ही क्रिकेट फैंस के बीच चर्चा तेज हो गई।

क्या था स्लैपगेट विवाद?

यह मामला आईपीएल 2008 के पहले सीजन का है। मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच मैच के बाद हरभजन सिंह और श्रीसंत के बीच विवाद हो गया था। मैच समाप्त होने के बाद श्रीसंत कैमरे के सामने रोते हुए नजर आए थे और आरोप लगा था कि हरभजन ने उन्हें थप्पड़ मारा था। इस घटना ने भारतीय क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था।

विवाद के बाद हरभजन सिंह पर प्रतिबंध लगाया गया था। समय के साथ मामला शांत जरूर हो गया, लेकिन दोनों खिलाड़ियों के बीच इस घटना को लेकर कड़वाहट पूरी तरह खत्म नहीं हुई।

भज्जी के जवाब से विवाद फिर से होगा तेज?

अब लल्लनटॉप इंटरव्यू में श्रीसंत की चुनौती, विज्ञापन को लेकर उनकी नाराजगी और उसके बाद हरभजन सिंह के सोशल मीडिया वीडियो ने एक बार फिर इस पुराने विवाद को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसे में फैंस की नजर इस बात पर टिकी रहेगी कि क्या यह जुबानी जंग यहीं थमेगी या आने वाले दिनों में दोनों खिलाड़ियों के बीच बयानबाजी और तेज होगी।

ट्रंप को लगा झटका! गद्दी से हटने के 10 साल बाद भी ओबामा सबसे लोकप्रिय, सर्वे में दावा

एएअमेरिका की राजनीति में भले ही आज डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन सबसे बड़े चेहरे हों, लेकिन लोगों के दिलों में अब भी बराक ओबामा की जगह सबसे ऊपर बनी हुई है। उठठ और ररफ्र के नए सर्वे ने यह साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति पद छोड़े करीब 10 साल बाद भी ओबामा की लोकप्रियता में कोई बड़ी कमी नहीं आई है।

दिलचस्प बात यह है कि ओबामा को सिर्फ डेमोक्रेटिक वोटर्स ही नहीं, बल्कि कई रिपब्लिकन और इंडिपेंडेंट वोटर्स भी पसंद करते हैं। यही वजह है कि एक बार फिर अमेरिका में ओबामा की चर्चा तेज हो गई है।

सर्वे में ओबामा सबसे आगे, ट्रंप-बाइडेन काफी पीछे

CNN-SSRS सर्वे के मुताबिक 57 फीसदी अमेरिकी नागरिक बराक ओबामा को पॉजिटिव नजर से देखते हैं। इसके मुकाबले मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सिर्फ 34 फीसदी और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को 30 फीसदी लोगों का पॉजिटिव समर्थन मिला। यह अंतर दिखाता है कि पद छोड़ने के कई साल बाद भी ओबामा

की इमेज मजबूत बनी हुई है। अमेरिकी जनता का बड़ा वर्ग आज भी उन्हें एक भरोसेमंद और प्रभावशाली नेता के रूप में देखता है।

सिर्फ डेमोक्रेट नहीं, रिपब्लिकन भी करते हैं पसंद

सर्वे की सबसे खास बात यह रही कि ओबामा को सिर्फ उनकी पार्टी के समर्थकों का ही नहीं, बल्कि दूसरी विचारधारा के लोगों का भी समर्थन मिला। लगभग हर पांच में से एक रिपब्लिकन वोटर ने भी ओबामा को पॉजिटिव रेटिंग दी। वहीं किसी भी पार्टी से खुद को न जोड़ने वाले इंडिपेंडेंट वोटर्स के बीच भी उनकी लोकप्रियता ट्रंप और बाइडेन दोनों से काफी ज्यादा है। यही वजह है कि ओबामा आज भी अमेरिका की राजनीति में एक अलग पहचान रखते हैं।

व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद और मजबूत हुई इमेज

बराक ओबामा के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्हें लेकर लोगों की राय काफी बंटी हुई थी। लेकिन व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद उनकी पब्लिक इमेज लगातार बेहतर होती गई। पिछले कई वर्षों में उन्होंने खुद को विवादों से काफी हद तक दूर रखा और सामाजिक मुद्दों पर अपनी मौजूदगी बनाए रखी। इसका असर उनकी लोकप्रियता पर साफ दिखाई देता है। सर्वे बताता है कि समय बीतने के साथ लोगों की नजर में ओबामा की छवि और मजबूत हुई है।

सबसे पसंदीदा राष्ट्रपति की रेस में भी नंबर-1

जब लोगों से पूछा गया कि वे सबसे ज्यादा किस अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करते हैं, तब भी बराक ओबामा पहले नंबर पर रहे। 30 फीसदी लोगों ने उनका नाम लिया, जबकि डोनाल्ड ट्रंप को 19 फीसदी लोगों ने चुना। इसके अलावा अब्राहम लिंकन और रोनाल्ड रीगन को 9-9 फीसदी, जॉन एफ. कैनेडी को 6 फीसदी और जॉर्ज वॉशिंगटन को 5 फीसदी लोगों ने पसंदीदा राष्ट्रपति बताया। नतीजे साफ बताते हैं कि ओबामा आज भी अमेरिकी राजनीति के सबसे लोकप्रिय जीवित नेता बने हुए हैं।

नीरज चोपड़ा की धमाकेदार वापसी, डायमंड लीग में चौथे स्थान पर रहकर भी हासिल किया कॉमनवेल्थ गेम्स का टिकट

(जीएनएस)।

भारत के स्टार एथलीट और दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने चोट की एक लंबी समयावधि के बाद अंतरराष्ट्रीय ट्रैक एंड फील्ड पर एक बार फिर से बेहद शानदार वापसी की है। दोहा में आयोजित डायमंड लीग के दौरान उन्होंने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों के खिलाफ मैदान पर अपना पूरा दमखम दिखाया और चौथे स्थान पर रहे। इसके साथ ही नीरज ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

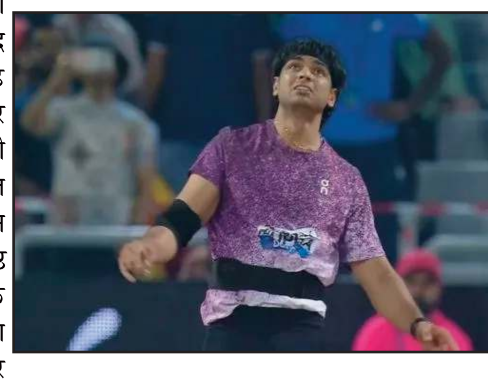

पीठ की चोट से उबरने के बाद अपने सीजन के इस बेहद प्रतीक्षित और पहले मुकाबले में नीरज चोपड़ा ने तकनीकी चुनौतियों का डटकर सामना किया। प्रतियोगिता के दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.69 मीटर का रहा, जिसने उन्हें कड़े मुकाबले के बीच अंक तालिका में चौथे स्थान पर ला खड़ा किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में मिली जगह

भले ही नीरज चोपड़ा इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन स्थानों में जगह बनाकर मेडल जीतने से चूक गए हों, लेकिन उन्होंने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ द्वारा निर्धारित मानकों को आसानी से हासिल कर लिया। उन्होंने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए तय की गई 82.61 मीटर की अनिवार्य क्वालिफिकेशन दूरी को अपने शानदार थ्रो से बहुत पीछे छोड़ दिया।

सिंगुर बनेगा औद्योगिक नगरी, कई बड़ी कंपनियां भी आ रही हैं, मोदी के दौरे से पहले मंत्री का बड़ा एलान

(जीएनएस)।

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बंगाल दौरे से पहले राज्य की राजनीति में सिंगुर एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गया है। राज्य के लोक निर्माण मंत्री अजय पोद्दार ने दावा किया है कि सिंगुर को औद्योगिक नगर के रूप में विकसित किया जाएगा और यहां केवल टाटा समूह ही नहीं, बल्कि कई अन्य बड़ी कंपनियां भी निवेश करेंगी।

प्रधानमंत्री 20 जून को हुगली जिले के तारकेश्वर में बंगाल दिवस समारोह में शामिल होंगे। इसी कार्यक्रम से वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी करेंगे, फसल बीमा योजना की शुरूआत करेंगे और सड़क तथा रेलवे से जुड़े कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री अजय पोद्दार ने कहा कि सभी विभागों को समय पर तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं और मौसम किसी भी तरह कार्यक्रम में बाधा नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि इतिहास को भुलाया नहीं जा सकता और बंगाल एक बार फिर औद्योगिक समृद्धि की राह पर लौटेगा।

सिंगुर का नाम बंगाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में दर्ज है। वाममोर्चा सरकार ने यहां टाटा मोटर्स की महत्वाकांक्षी नैनो कार परियोजना के लिए लगभग 997 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया था। लेकिन भूमि अधिग्रहण के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में चला लंबा आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आया।

26 दिन के अनशन और व्यापक जनदबाव के बाद टाटा समूह ने वर्ष 2008 में सिंगुर से अपनी परियोजना गुजरात के साणंद ले गई। सिंगुर आंदोलन को ही वर्ष 2011 में बंगाल की सत्ता परिवर्तन की सबसे बड़ी राजनीतिक पृष्ठभूमि माना जाता है। अब भाजपा सरकार के मंत्री द्वारा सिंगुर को फिर से उद्योग नगरी बनाने के दावे ने पुराने राजनीतिक घावों और विकास की बहस को एक बार फिर जीवंत कर दिया है।

3 जुलाई से लखनऊ में होगा आम महोत्सव, मंत्री दिनेश प्रताप सिंह बोले- बागवानों को मिलेगा इंटरनेशनल मंच

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026 का आयोजन इस बार तीन से पांच जुलाई तक किया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में महोत्सव के मुख्य आयोजन के दौरान चार जुलाई को जन भवन में बायर-सेलर (क्रेता-विक्रेता) मीट का आयोजन भी किया जाएगा।

महोत्सव में राज्य की सैकड़ों विशिष्ट एवं दुर्लभ प्रजातियों के आम का प्रदर्शन किया जाएगा। उद्यान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी आम उत्पादक राज्य है। देश में लगभग 25 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 235 लाख टन आम उत्पादन होता है। इसमें यूपी 3.27 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में लगभग 62 लाख टन आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन कर देश में प्रथम स्थान पर है।

आम महोत्सव प्रदेश की प्रसिद्ध आम प्रजातियों को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के साथ

आम उत्पादकों, निर्यातकों व उद्यमियों के लिए नये अवसरों का मंच बनेगा। उद्यानिकी एवं कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेगा। महोत्सव में प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के प्रगतिशील बागवान, निर्यातक, कृषि विशेषज्ञ एवं उद्यमी सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम में दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आम्रपाली, रटौल, लखनऊ सफेदा सहित अनेक प्रसिद्ध एवं रंगीन किस्में आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आम आधारित प्रसंस्कृत उत्पादों, मूल्य संवर्धन तकनीकों तथा निर्यात संभावनाओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

महोत्सव के तहत पांच क्लास में आम की विभिन्न प्रजातियों, आम आधारित संरक्षित उत्पाद, आम पकवान , सर्वश्रेष्ठ प्रदर्श एवं सर्वाधिक प्रदर्श प्रदर्शनकर्ता बागवान आदि श्रेणी में प्रतियोगिता भी आयोजित की जायेगी।

मंत्री ने बताया कि महोत्सव के माध्यम से किसानों को आधुनिक उत्पादन तकनीक, तुड़ाई उपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन एवं निर्यात संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उत्कृष्ट आम उत्पादकों और बागवानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

राजनाथ सिंह की बड़ी पहल, लखनऊ को जाम से मिलेगी मुक्ति, शहीद पथ पर बनेगा 24 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर

राजधानी लखनऊ को जल्द ही एक नया एलिवेटेड कोरिडो मिलने जा रहा है. 24 किमी लंबे इस एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण शहीद पथ के पास होगा जिससे जाम के जहां से मुक्ति मिलेगी. लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह के पहल पर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ने इसकी मंजूरी दे दी है.

(जीएनएस)।

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या से जाम की समस्या से निपटना किसी चुनती से कम नहीं है. ऐसे में देश के रक्षा मंत्री और लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने एक बड़ी पहल की है. राजनाथ सिंह ने शहीद पथ पर 24 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा. इसके लिए राजनाथ सिंह ने केंद्रीय परिवहन मंत्री को पत्र लिखा था, जिसे मंजूरी मिल गई है. जिसके बाद राजनाथ सिंह के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी ने गुरुवार को छऊ्अ उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार से मुलाकात की. मुलाकात के दौरान फिजिबिलिटी परीक्षण कराकर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट यानी डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है. बताया जा रहा

है कि जल्द ही संबंधित विभागों के साथ बैठक कर इस प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारा जाएगा.

दरअसल, शहीद पथ को राजधानी लखनऊ की लाइफ लाइन कहा जाता है. यह ना सिर्फ शहर वासियों को उनके मंजिल तक पहुंचाता है, बल्कि अयोध्या और कानपुर जाने वालों का सफर भी सुगम बनाता हैं. लेकिन शहीद पथ पर अक्सर जाम लगने से आवागमन बाधित हो जाता है. कुछ ही मिनटों में कई किलोमीटर का जाम लग जाता है. जिसकी वजह से ट्रैफिक कण्ट्रोल करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है. ऐसे में इस 24 किमी लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर के बनने से जाम के जहां से मुक्ति मिलेगी. इसके अलावा शहीद पथ नए लखनऊ की नई तस्वीर भी पेश करता है. यहां इकना स्टेडियम, मेदांता हॉस्पिटल, लूलू मॉल, पुलिस मुख्यालय का सिग्नेचर बिल्डिंग जैसे कई प्रतिष्ठान हैं.

शहर के मास्टर प्लान का बनाया जा सकता है हिस्सा

सांसद प्रतिनिधि त्रिपाठी ने बताया कि एलडीए उपाध्यक्ष को अवगत कराया गया है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर शहीद पथ पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव दिया है. जिस पर सहमति बन गई है. लिहाजा अब अब इसकी ड्ढक्रतैयार की जाए. एलडीए सूत्रों के मुताबिक, एलिवेटेड कॉरिडोर को शहर के मास्टर प्लान का भी हिस्सा बनाया जा सकता है.

अब इस मुलाकात के बाद नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया, लोक निर्माण विभाग, छऊ्अ समेत अन्य विभागों की बैठक होगी जिसमें वृस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा के बाद डीपीआर तैयार की जाएगी. जानकारी के मुताबिक, मेदांता हास्पिटल, इकाना स्टेडियम और इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के पास एलिवेटेड कॉरिडोर का रैंप बन सकता है.

बेंगलुरु के वरथुर में सीवेज प्लांट में हादसा, 40 फीट गहरे जहरीले टैंक में डूबा बिहार का मजदूर, NDRF का रेस्क्यू जारी

(जीएनएस)।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के वरथुर इलाके से एक बेहद दर्दनाक और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। यहां 'बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड' (BWSSB) के एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) में काम करने के दौरान तीन मजदूर अचानक 40 फीट गहरे जहरीले टैंक (पंपिंग वेट वेल) में गिर गए।

हादसे में एक मजदूर किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में कामयाब रहा, जबकि दो अन्य मजदूरों के टैंक में डूबने की आशंका जताई जा रही है।

लापता मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और अग्निशमन सेवा के जवान कल रात से ही युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

कैसे हुआ यह दर्दनाक हादसा?

क्ल्ल्ल्ल्लि ए७स्र१ी२२ की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना गुरुवार 18 जून 2026 शाम करीब 6:10 से 6:30 बजे के बीच वरथुर के बेलागेरे स्थित 90 टछऊ क्षमता वाले बेलान्दूर एसटीपी प्लांट में हुई।

यहां सीवरेज बोर्ड के तीन आउटसोर्स मजदूर प्लांट के ट्रीटमेंट सिस्टम में लगे तीन गेटों की रिपेयरिंग करने के लिए करीब 40 से 60 फीट गहरे सीवेज टैंक के पास काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक अनियंत्रित होने के कारण तीनों मजदूर गहरे सीवेज टैंक के भीतर गिर गए।

बिहार और तमिलनाडु के मजदूर लापता,तीसरे मजदूर ने बचाई जान

डेकेन हेराल्ड के मुताबिक- हादसे के बाद से जिन दो मजदूरों का पता नहीं चल पाया है, उनकी पहचान बिहार निवासी बृजेश कुमार और तमिलनाडु निवासी अगिलन मोहन के रूप में हुई है। दोनों को खोजने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

घटना के समय तीसरे कर्मचारी कार्तिक भी टैंक के अंदर मौजूद थे। कार्तिक किसी तरह टैंक से बाहर निकलने में सफल रहे और उन्होंने अन्य कर्मचारियों को हादसे की जानकारी दी। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रेस्क्यू अधिकारियों के मुताबिक, कार्तिक ने ही बचाव टीम को बताया कि हादसे के समय टैंक के अंदर क्या हुआ था।

विषैली गैसों और अंधेरे के कारण रेस्क्यू में आ रही भारी रुकावट

NDRF और फायर ब्रिगेड की टीमों ने गुरुवार की पूरी रात सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन परिस्थितियों ने बचाव कार्य को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया है। बचाव दल के सामने दो बड़ी चुनौतियां आ रही हैं। ठउ्रफ्र के मुताबिक सीवेज टैंक के भीतर भारी मात्रा में मीथेन और अन्य जहरीली गैसें भरी हुई हैं।

NDRF की टीमें पहले टैंक के भीतर ऑक्सीजन पहुंचाने और जहरीली गैसों को बाहर निकालने में जुटी हैं, ताकि गोताखोर बिना किसी खतरे के अंदर जा सकें। गंदे पानी के तेज बहाव और अंधेरे के कारण भी रेस्क्यू टीम को टैंक के तल तक पहुंचने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

लापरवाही पर इहरइ ने बैठाई उच्च स्तरीय जांच समिति

हादसे की खबर मिलते ही इहरइ की चेयरपर्सन एन. मंजुला ने घटनास्थल का दौरा किया और अधिकारियों को तलाशी अभियान और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीवरेज बोर्ड (BWSSB) ने इस पूरे हादसे की जांच के लिए शुक्रवार को तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर दिया है। यह समिति बेलंदूर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में हुए हादसे की विस्तृत जांच करेगी।

जांच समिति में शामिल अधिकारी

के.एन. राजीव - मुख्य अभियंता

के.एस. रेनुकुमार - अतिरिक्त मुख्य अभियंता

विनुता डीएस - उप मुख्य अभियंता

समिति को यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इहरइ ने समिति को 20 जून दोपहर 12 बजे तक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

लखनऊ में ट्यूशन के लिए अंदर गई बड़ी बहन, पीछे खड़ी अन्वी पर गिर पड़ा 110 किलो का गेट, मौत

(जीएनएस)।

लखनऊ। पीजीआइ थाना क्षेत्र के मोहिद्दीनपुर गांव में शुक्रवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी। घर के बाहर लगा करीब 110 किलो वजनी लोहे का गेट अचानक गिर पड़ा, जिसके नीचे दबकर दो वर्षीय अन्वी की मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। कुछ देर पहले तक जिस घर में मासूम की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब सिसकियां सुनाई दे रही हैं।

मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले सूरज कुमार शुक्रवार सुबह घर पर ही थे। वह अपनी दोनों बेटियों के साथ समय बिता रहे थे। परिवार के लोगों ने बताया कि सुबह दोनों बच्चियां घर के बाहर गेट के पास खेल रही थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली दिशा ने बड़ी बेटी सृष्टि को ट्यूशन पढ़ने के लिए आवाज दी। दिशा को किसी शादी

समारोह में जाना था, इसलिए उसने रोज शाम के बजाय सुबह ही सृष्टि को बुला लिया था। लिए घर के अंदर चली गई, जबकि छोटी बहन अन्वी गेट के पास ही खड़ी रही। तभी अचानक भारी लोहे का गेट भरभराकर अन्वी के ऊपर गिर पड़ा। तेज आवाज और बच्ची की चीख सुनकर परिवार के लोग बाहर दौड़े।

अन्वी गेट के नीचे दब चुकी थी और उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। परिवारजन और पड़ोसियों ने किसी तरह गेट हटाया और बच्ची को पीजीआई ट्रामा सेंटर पहुंचाया, लेकिन सिर में गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी जान नहीं बच सकी।

गेट लगाने वाले पर जताई लापरवाही की आशंकाः हादसे के बाद पिता सूरज कुमार ने गेट लगाने में लापरवाही की आशंका जताई। उनका कहना है कि करीब आठ वर्ष पहले मकान बनवाते समय यह गेट लगवाया गया था।

ग्रामीणों का कहना है कि यह महज संयोग था कि बड़ी बहन कुछ सेकंड पहले ही वहां से हट गई, अन्यथा वह भी हादसे की चपेट में आ सकती थी। घरवालों ने बच्ची का पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया।

'तनाव छोड़ें, फोकस करें', री-एग्जाम देने जा रहे छात्रों हौसला बढ़ाने के लिए केजरीवाल ने जारी किया वीडियो

(जीएनएस)।

NEET-UG री-एग्जाम की तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने छात्रों के लिए एक खास वीडियो मैसेज जारी किया है। 21 जून को होने वाली परीक्षा से पहले उन्होंने छात्रों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अब पुराने विवादों और परेशानियों को पीछे छोड़कर सिर्फ अपनी तैयारी पर फोकस करें।

केजरीवाल ने कहा कि लाखों छात्रों ने कड़ी मेहनत की है और अब समय है कि वे पूरे कॉन्फिडेंस और शांत दिमाग के साथ एग्जाम दें। उन्होंने सभी छात्रों को ऑल द बेस्ट कहते हुए उनकी सफलता की कामना की।

केजरीवाल ने अपने वीडियो मैसेज में कहा कि वह छात्रों की परेशानी को अच्छी तरह समझते हैं। उन्होंने कहा कि ठएएळ जैसी बड़ी और मुश्किल परीक्षा को एक बार देना ही काफी चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन इस बार कई छात्रों को एक महीने के अंदर दूसरी बार एग्जाम देना पड़ रहा है। उन्होंने माना कि इस पूरी प्रक्रिया ने छात्रों पर अतिरिक्त दबाव डाला है। इसके बावजूद उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी मेहनत और तैयारी पर भरोसा रखें और किसी भी तरह की घबराहट को खुद पर हावी न होने दें।

वीडियो संदेश में केजरीवाल ने छात्रों को सलाह दी कि अब किसी भी तरह के विवाद या चर्चा में उलझने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ, उसे भूलकर अब पूरा फोकस पढ़ाई और रिवीजन पर लगाना चाहिए। उन्होंने छात्रों से कहा कि एग्जाम हॉल में शांत मन के साथ जाएं और हर सवाल को ध्यान से पढ़कर हल करें। उनके मुताबिक कॉन्फिडेंस और उङ्कल्लूील्ल३१३ङ्कल्ल ही परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन की सबसे बड़ी कुंजी है।

भविष्य के डॉक्टरों को दी शुभकामनाएं

केजरीवाल ने कहा कि देश को अच्छे डॉक्टरों की जरूरत है और आज के छात्र ही कल देश की हेल्थकेयर सिस्टम की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि सभी छात्र अपनी मेहनत के दम पर सफलता हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यही छात्र लोगों की जिंदगी बचाने का काम करेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ें।

पेपर लीक विवाद पर केंद्र सरकार पर साधा निशाना

री-एग्जाम से पहले केजरीवाल ने ठएएळ पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि सरकार के फैसले और दावे लगातार बदलते रहे हैं। टेलीग्राम बैन किए जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इससे पेपर लीक जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार असली मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग बहाने बना रही है। हालांकि उन्होंने छात्रों से कहा कि वे इन विवादों से दूर रहकर सिर्फ अपनी परीक्षा और करियर पर ध्यान दें।

लखनऊ के आशियाना इलाके में जल्द खुलेगा मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क

आशियाना का वनस्थली पार्क जल्द मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क के रूप में सामने आएगा। यहां जुरासिक पार्क की तर्ज पर ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के इंटरैक्टिव रोबोटिक मॉडल देखने को मिलेंगे। साथ ही &पंचतंत्र&य की कहानी व किरदार लोगों को लुभाएंगे।

लखनऊ। आशियाना का वनस्थली पार्क जल्द मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क के रूप में सामने आएगा। यहां जुरासिक पार्क की तर्ज पर ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के इंटरैक्टिव रोबोटिक मॉडल देखने को मिलेंगे। साथ ही &पंचतंत्र&य की कहानी व किरदार लोगों को लुभाएंगे। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने पार्क का निरीक्षण कर सितंबर तक सभी विकास कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य अभियंता मानवेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियंता नवनीत कुमार शर्मा, उद्यान अधिकारी शशि कुमार भारती आदि मौजूद रहे।

थीम पार्क डेवलप हो रहा

आशियाना सेक्टर-के में स्थित वनस्थली पार्क में थीम आधारित विकास कार्य कराए जा रहे हैं। पीपीपी मोड पर लगभग 12 करोड़ की लागत से मैजिकल लैंड फैंटसी पार्क विकसित हो रहा है। पार्क में निष्प्रयोज्य सामग्री के इस्तेमाल से मरमेड, फीनिक्स, जिनी, ग्रिफिन, वेयर वूल्फ, मोगली आदि के 12 लाइव मॉडल व स्कल्पचर्स स्थापित किए जा रहे हैं।

10 रोबोटिक मॉडल होंगे ाहां ड्रैगन, यूनीकॉर्न, साइक्लोप्स, ऐरावत आदि के 10 रोबोटिक मॉडल होंगे। एलडीए वीसी ने बताया कि पार्क में वॉटर बॉडी विकसित की जा रही है, जिसमें आकर्षक फाउंटेन लगाए जाएंगे। साथ ही वॉच टॉवर और टॉयलेट ब्लॉक बनाए जाएंगे।

वीसी ने ज्योतिबा फुले जोनल पार्क का भी निरीक्षण किया। पार्क में चार करोड़ की लागत से कराये जा रहे विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य अंतिम चरण में हैं। मेसर्स एएमटी बिल्डर्स प्रा। लि। द्वारा एसटीपी का निर्माण कार्य कराया गया है। वीसी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एक माह में एसटीपी की टेस्टिंग कराकर संचालन शुरू कराया जाए। वीसी ने गौतम बुद्ध शांति उपवन पार्ट-1, 2 एवं 3 का निरीक्षण करके उपयुक्त स्थानों पर ओपन जिम व झूले लगाने के निर्देश दिए।

30 जून तक सिंचाई कार्य पूरा करें

एलडीए द्वारा शहीद पथ पर सिंचाई एवं हॉर्टीकल्चर का कार्य कराया जा रहा है। इसमें अंडरग्राउंड पाइप लाइन, ड्रिप लाइन, पॉप-अप स्प्रिंकलर व 12 स्थानों पर बोरिंग का कार्य कराया जा रहा है।

यूएई : 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, सरकार के फैसले से मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया के बढ़ते असर को देखते हुए यूनाइटेड अरब अमीरात (UAE) ने बड़ा फैसला लिया है। अब 15 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया अकाउंट नहीं बना सकेंगे और न ही उनका इस्तेमाल कर सकेंगे। इस फैसले के साथ वअए ऐसा नियम लागू करने वाला पहला अरब देश बन गया है।

सरकार का कहना है कि बच्चों को गलत कंटेंट, ऑनलाइन खतरे और सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है। नए नियम आने वाले महीनों में सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू होंगे और कंपनियों को उम्र जांचने के लिए मजबूत सिस्टम तैयार करना होगा।

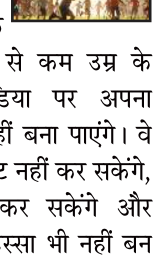

नए नियमों के मुताबिक 15 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया पर अपना पर्सनल अकाउंट नहीं बना पाएंगे। वे किसी पोस्ट पर कमेंट नहीं कर सकेंगे, कंटेंट शेयर नहीं कर सकेंगे और पब्लिक ग्रुप्स का हिस्सा भी नहीं बन पाएंगे। सरकार ने साफ कहा है कि बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी को सीमित करना जरूरी है ताकि वे ऐसे कंटेंट से दूर रहें जो उनकी उम्र के हिसाब से सही नहीं है। यह नियम वअए में ऑपरेट करने वाले सभी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू होगा। सरकार ने 15 और 16 साल के किशोरों को सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की अनुमति दी है, लेकिन इसके साथ कई सुरक्षा फीचर्स अनिवार्य होंगे। इनमें एज-आधारित कंटेंट फिल्टर, अनजान लोगों से चैट पर कंट्रोल, स्क्रीन टाइम मैनेजमेंट और पैरेंटल मॉनिटरिंग टूल शामिल हैं।